No. of Printed Pages : 2

MSK–12

स्नातकोत्तर उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.-12 : धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों के उत्तर केवल एक भाषा संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी में दीजिए।*

खण्ड—क 15×4=60

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में दीजिए।

1. 'पुराण' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी विषयवस्तु पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

2. रामायणकालीन समाज और संस्कृति की विस्तृत रूप से चर्चा कीजिए।
3. धर्मशास्त्र का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसमें वर्णित सामाजिक संस्थाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
4. महाभारतकालीन समाज और संस्कृति का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
5. पुराणों के लक्षण स्पष्ट करते हुए पुराण और उपपुराण के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।
6. अर्थशास्त्र का परिचय दीजिए तथा उसकी विषय-वस्तु का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख $10\times4=40$

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

7. पुराणों का भारतीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ा ? स्पष्ट कीजिए।
8. रामायण के सांस्कृतिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
9. पुराणों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
10. रामायण की उपजीव्यता पर प्रकाश डालिए।
11. पुराणों के सांस्कृतिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
12. महाभारत के काल-निर्धारण को स्पष्ट कीजिए।

× × × × ×